CHAPTER 4, विदाई- संभाषण

PAGE 51, प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ

11:1:4:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:1

1. शिवशंभु की दो गायों की कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?

उत्तर: लेखक बालमुकुंद ने अपनी कहानी के माध्यम से बताने की कोशिश की है कि भारत में न केवल इंसानों के साथ बल्कि जानवरों में भी साथ रहने वालों के लिए भावनात्मक लगाव है। शिव शंभू की दो गायों में से एक गाय अक्सर अपने से कमज़ोर गाय को मारती थी। लेकिन जब मारने वाली गाय वहाँ से चली जाती थी तो उस दिन कमज़ोर गाय ने चारा नहीं खाया।
बिछड़ते समय उसने आपसी बैर भुला दिए और उसके मन करुणा उत्पन्न कर दिया।

11:1:4:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:2

2. आठ करोड़ प्रजा के गिड़गिड़ाकर विच्छेद न करने की प्रार्थना पर आपने जरा भी ध्यान नहीं दिया - यहाँ किस ऐतिहासिक घटना की ओर संकेत किया गया है?

उत्तर: लेखक ने बंगाल विभाजन की ऐतिहासिक घटना का जिक्र किया है। उन्होंने ने लिखा की लार्ड कर्जन दो बार भारत के वायसराय बने थे। भारत में अंग्रेजो के साम्रज्य को स्थापित करने के लिए अनेको काम किया उनमे से एक बंगाल विभाजन भी था। उसने यह योजना राष्ट्रवादी भावनाओं को कुचलने के लिए बनाया। बगल के लोगो ने उसकी योजना को समझ गए और इसका विरोध किया परन्तु उसने अपनी योजना पूरी ही कर ली और बंगाल को दो भागो में बाँट दिया।

11:1:4:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:3

3. कर्जन को इस्तीफ़ा क्यों देना पड़ गया ?

उत्तर: कर्जन के इस्तीफे के मुख्य कारण थे-

कर्जन ने बंगाल विभाजन को लागू किया। पूरा देश इसके खिलाफ खड़ा हो गया, राष्ट्रीय शक्तियों को खत्म करने के कर्जन का प्रयास विफल हो गया, ब्रिटिश शासन की जड़ें हिल गईं।

कर्जन इंग्लैंड में वांछित स्थिति के लिए एक सैन्य अधिकारी नियुक्त करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने सिफारिश को स्वीकार नहीं किया। वह इस्तीफे की धमकी के साथ काम करना चाहते थे लेकिन ब्रिटिश सरकार ने उसका इस्तीफा ही स्वीकार किया।

11:1:4:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:4

4. बिचारिए तो, क्या शान आपकी इस देश में थी और अब क्या हो गई! कितने ऊँचे होकर आप कितने नीचे गिरे! - आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: भारत में लॉर्ड कर्जन ने जिस तरह के सम्मान और गौरव का आनंद लिया, वैसा किसी अन्य शासक ने नहीं किया होगा। उनका वैभव दिल्ली दरबार में था। उनके साथ में उनकी

पत्नी की सोने की कुर्सी भी थी। उसका हाथी बादशाह के भाई से ऊंचा और आगे रहता था। कर्जन के एक इशारे पर, सम्राट, प्रशासन और सभी रईसों को हाथ जोड़कर खड़े देखा गया। उसके एक इशारे पर, बड़े-बड़े राजा मिट्टी में विलीन हो गए और कई रिहा हो गए। लेकिन अंत में उसने इस्तीफा दे दिया क्यूंकि उसके सिफारिश पर एक भी आदमी को रखा नहीं गया और अपनी ज़िद का कारण उसका वैभव नष्ट हो गया।

11:1:4:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:5

5. आपके और यहाँ के निवासियों के बीच में कोई तीसरी शक्ति और भी है- यहाँ तीसरी शक्ति किसे कहा गया है?

उत्तर: यहां "तीसरी शक्ति" ब्रिटिश शासकों को संदर्भित करती है। इंग्लैंड में, महारानी विक्टोरिया का शासन था। भारत में उनके आदेशों का पालन करने के लिए वायसराय हुआ करते थे जिसने ब्रिटिश हितों की रक्षा की। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लॉर्ड कर्जन को भी नियुक्त किया गया। जब ब्रिटिश शासकों को

लगा कि कर्जन ब्रिटिश शासकों के हित को नहीं बचा सकते, तो उन्होंने उन्हें वायसराय के पद से हटा दिया।

PAGE 52, प्रश्न - अभ्यास - कविताकेआसपास

11:1:4:प्रश्न - अभ्यास - कविताकेआसपास:1
6. पाठ का यह अंश शिवशंभु के चिट्ठे से लिया गया है। शिवशंभु नाम की चर्चा पाठ में भी हुई है। बालमुकुंद गुप्त ने इस नाम का उपयोग क्यों किया होगा?

उत्तर: ब्रिटिश राज के तहत भारतीय लोगों द्वारा सरकार का विरोध किया गया था। लॉर्ड कर्जन ने प्रेस की अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध लगा दिया था। वह एक निरंकुश वायसराय था। "शिव शंभु" एक काल्पनिक चरित्र है जो भांग का आदी है और अच्छी तरह से डरता नहीं है। यह चरित्र ब्रिटिश बड़प्पन को उजागर करने के लिए बनाया गया था। लेखक ने सरकारी कानून के कारण इस नाम का इस्तेमाल किया। उस समय ब्रिटिश शासन से सीधे टकराव की स्थिति में नहीं था। लेकिन ब्रिटिश शासन

का पोल खोलकर लोगों को जागरूक भी करना था। इसलिए काल्पनिक पात्रों के माध्यम से चीजें कहते हैं।

11:1:4:प्रश्न - अभ्यास-कविताकेआसपास:2

7. नादिर से भी बढ़कर आपकी जिद्द है - कर्ज़न के संदर्भ में क्या आपको यह बात सही लगती है? पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तर: नादिरशाह एक तानाशाही और बहोत ही क्रूर बादशाह था। वह दिल्ली में कत्ले-ऐ-आम करवाया और की की नहीं सुनी। जब आसिफजाह ने अपने गले में तलवार डालकर उसके सामने प्रार्थना की तो उसने क़त्ले-आम रोक दिया। लॉर्ड कर्ज़न के द्वारा किया गया बंगाल-विभाजन किसी क़त्ले-आम से कम नहीं था। आठ करोड़ लोगो ने बार-बार उससे प्रार्थना की लेकिन उसने अपनी जिद नहीं छोड़ी। इसलिए लार्ड कर्जन क्रूरता के नादिरशाह से ज्यादा क्रूर था । अतः ये कथन सही है कि कर्ज़न की ज़िद नादिरशाह से बड़ी है ।

11:1:4:प्रश्न - अभ्यास - कविताकेआसपास:3

8. क्या आँख बंद करके मनमाने हुक्म चलाना और किसी की कुछ न सुनने का नाम ही शासन है? - इन पंक्तियों को ध्यान में रखते हुए शासन क्या है? इस पर चर्चा कीजिए।

उत्तर: शासन का अर्थ व्यवस्था का प्रबंधन है। यह व्यवस्था लोगों के हितों के लिए होनी चाहिए। शासन में, शासक और जनता दोनों शामिल होते हैं। यह आवश्यक है किसी भी बड़े फैसले के लिए जनता को अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए है। । कहानी में लार्ड कर्जन की क्रूरता का वर्णन है जिसने बंगाल विभाजन जैसे बड़े और ऐतिहासिक फैसले का निर्णय कर लिया और जनता की राय लेना जरुरी नहीं समझा जो जनता के प्रति अन्याय था।

9. इस पाठ में आए अलिफ़ लैला, अलहदीन, अबुल हसन और बगदाद के खलीफ़ा के बारे में सूचना एकत्रित कर कक्षा में चर्चा कीजिए।

PAGE 52, प्रश्न - अभ्यास- भाषा की बात

11:1:4:प्रश्न - अभ्यास - भाषा की बात:1

1. वे दिन-रात यही मनाते थे कि जल्द श्रीमान् यहाँ से पधारें। सामान्य तौर पर आने के लिए पधारें शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। यहाँ पधारें शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर: यहाँ “पधारें” शब्द का अर्थ ‘जाने के’ सन्दर्भ में इस्तेमाल किया गया है अर्थात् - “चले जाएँ”**।**

11:1:4:प्रश्न - अभ्यास - भाषा की बात:2

2. पाठ में से कुछ वाक्य नीचे दिए गए हैं, जिनमें भाषा का विशिष्ट प्रयोग (भारतेंदु युगीन हिंदी) हुआ है।

उन्हें सामान्य हिंदी में लिखिए -

क. आगे भी इस देश में जो प्रधान शासक आए, अंत को उनको जाना पड़ा।

ख. आप किस को आए थे और क्या कर चले?

ग. उनका रखाया एक आदमी नौकर न रखा।

घ. पर आशीर्वाद करता हूँ कि तू फिर उठे और अपने प्राचीन गौरव और यश को फिर से लाभ करे।

उत्तर:

पहले भी इस देश में जो प्रधान शासक हुए, अन्त में उन्हें जाना पड़ा।

आप किसलिए आये थे और क्या करके चले?

उनके रखवाने से एक आदमी नौकर न रखा गया।

पर आशीर्वाद देता हूँ कि तुम फिर उठो और अपने प्राचीन गौरव और यश को फिर से प्राप्त करो।